Total Pages : 3 Roll. No. : .....

Examination Session June-2022

(Fourth Semester)

MASL-608

एम.ए. संस्कृत (MASL)

[सिद्धान्त कारक एवं समास भाग - 02]

Time : 2 Hours] **[Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। 2×20=40

1. समास का अर्थ एवं प्रकार बताते हुए अव्ययी भाव समास का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

2. अव्ययी भाव समास के अंतर्गत सचक्रम् सहरि, पंचगंगम् तथा उपजरसम् शब्दों को सिद्ध कीजिए।

3. निम्नलिखित सूत्रों की विस्तृत व्याख्या कीजिए :

(क) द्वितीया श्रीतातीत–पतित–गतात्यस्त–प्राप्तापन्नैः।

(ख) तृतीया तत्कृतार्थेनगुण वचनेन।

4. बहुब्रीहि समास का उदाहरण सहित विस्तृत वर्णन कीजिए।

5. आचार्य भर्तृहरि का परिचय देते हुए निम्नलिखित कारिका की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

अनादिनिधनं ब्रह्म शब्द तत्त्वं यदक्षरम्।

विवर्ततेऽर्थभावेन प्रक्रिया जगतो यतः।।

एकमेव यदाम्नातं भिन्नं शक्ति व्यपाश्रयात्।

अपृथक्त्वेपि शक्तिभ्यः पृथक्त्वेनेव वर्तते।।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। 4×10=40

1. ''संख्यापूर्वो द्विगुः'' सूत्र की व्याख्या कीजिए।

2. ''विशेषणं विशेष्येण बहुलम्'' सूत्र की व्याख्या कीजिए।

3. लौकिक विग्रह तथा अलौकिक विग्रह को स्पष्ट करते हुए केवल समास का वर्णन कीजिए।

4. ''पंचमी भयेन'' सूत्र को स्पष्ट कीजिए।

5. द्वन्द्व समास को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए।

6. आचार्य भर्तृहरि विरचित ''वाक्यपदीयम्'' का परिचय दीजिए।

7. अधिगोपम् तथा उपकृष्णम् रूपों को सिद्ध कीजिए।

8. ''अव्ययीभावे चाऽकाले'' सूत्र की व्याख्या प्रस्तुत करें।

****